प्रोत्साहन प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने को अलवर के 30 गांवों में शोध यात्रा शुरू, हकेंवि के कुलपति प्रो. कुहाड़ बोले

होनहार प्रतिभाओं का मार्गदर्शन करना ही लक्ष्य

महेंद्रगढ़ | भारत विविधताओं का देश है और यहां छोटे-छोटे गांव, कस्बों में ऐसी अनेकों प्रतिभाएं पनप रही हैं जो प्रोत्साहन के अभाव में देश-दुनिया में अपनी पहचान कायम करने में असफल रह जाती हैं। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) ने ऐसी ही प्रतिभाओं को न सिर्फ सम्मानित करने बल्कि उन्हें प्रोत्साहन प्रदान करने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ का कहना है कि न सिर्फ हरियाणा बल्कि देशभर में ढेरों ऐसी प्रतिभाएं हैं जो उचित प्रोत्साहन के अभाव में बेहद सीमित दायरे में ही बंधकर रह गई हैं। विश्वविद्यालय लगातार ऐसी प्रतिभाओं को आगे लाने की दिशा में प्रयासरत है। ऐसी ही एक कोशिश की शुरुआत गुरुवार 29 जून को शोध यात्रा के माध्यम से राजस्थान के अलवर में हुई है। विश्वविद्यालय के सेंटर फोर इनोवेशन, स्किल एंड एंटरप्रोनियोर डेवलपमेंट (सीआईएसईडी) के संयोजक प्रो. नवल किशोर ने बताया कि यह शोध यात्रा आगामी 5 जुलाई तक चलेगी। इस यात्रा में विश्वविद्यालय के शिक्षक डॉ. अनूप यादव के नेतृत्व में विद्यार्थियों का यह समूह करीब 30 गांवों का दौरा करेगा। सीआईएसईडी के ऋषिपाल व सुनील कुमार ने बताया कि शोध यात्रा के माध्यम से इन गांवों में उपलब्ध हर उस प्रतिभा की पहचान की जाएगी जो अपने आप में अलग है, अनोखी है। उन्होंने कहा कि इसमें बात चाहे खेल-कूद की हो, चिकित्सा पद्धति से संबंधित हो, शिक्षा, संगीत, कृषि या पशुपालन से संबंधित किसी तकनीक के विकास से जुड़ी हो, हम ऐसी सभी प्रयासों को न सिर्फ सम्मानित करेंगे बल्कि उन्हें देश-दुनिया के स्तर पर आगे लाने की दिशा में भी प्रयास करेंगे।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ इस शोध यात्रा पर निकले शिक्षक डॉ. अनूप यादव ने बताया कि गुरुवार को अलवर के गंगापुरी कोटकासिम तहसील से शुरू हुआ यह अभियान राबड़का तिजारा तहसील तक जाएगा। उन्होंने बताया कि यह शोध यात्रा हमारे विद्यार्थियों को भी भारत को एक अलग नजरिए से देखने, समझने का अनुभव प्रदान करने में भी मददगार साबित होगी। यहां बता दें कि सीआईएसईडी की इस शोध यात्रा को विश्वविद्यालय, धानुका कृषि प्राइवेट लिमिटेड व नवभारत निर्माण समिति के सांझा प्रयासों से आयोजित किया जा रहा है।

महेंद्रगढ़. शोध यात्रा में हिस्सा लेने वाले विद्यार्थियों के साथ प्रो. नवल किशोर, डॉ. आदित्य सक्सेना व अन्य।

प्रतिभाओं को प्रोत्साहित कर रहा है हकेंविवि

कुलपति बोले, होनहार प्रतिभाओं का मार्गदर्शन करना है लक्ष्य

- अलवर के 30 गांवों में शुरू हुई शोध यात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। शोध यात्रा में हिस्सा लेने वाले विद्यार्थियों के साथ सीआईएसईडी के संयोजक प्रो. नवल किशोर, विवि शिक्षक डा. आदित्य सक्सेना व अन्य। फोटो : हरिभूमि

भारत विविधताओं का देश है और यहां छोटे-छोटे गांव, कस्बों में ऐसी अनेकों प्रतिभाएं पनप रही है जो प्रोत्साहन के अभाव में देश-दुनिया में अपनी पहचान कायम करने में असफल रह जाती है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने ऐसी ही प्रतिभाओं को न सिर्फ सम्मानित करने बल्कि उन्हें प्रोत्साहन प्रदान करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर आरसी कुहाड़ का कहना है कि न सिर्फ हरियाणा राज्य बल्कि देशभर में ढेरों ऐसी प्रतिभाएं है जो उचित प्रोत्साहन के अभाव में बेहद सीमित दायरे में ही बंधकर रह गई है। विश्वविद्यालय लगातार ऐसी प्रतिभाओं को आगे लाने की दिशा में प्रयासरत है। ऐसी ही एक कोशिश की शुरुआत गुरुवार 29 जून को शोध यात्रा के माध्यम से राजस्थान के अलवर में हुई है। विश्वविद्यालय के सेंटर फोर इनोवेशन, स्किल एंड एंटरप्रोनियोर डेवलपमेंट के संयोजक प्रोफेसर नवल किशोर ने बताया कि यह शोध यात्रा आगामी 5 जुलाई तक चलेगी। इस यात्रा में विश्वविद्यालय के शिक्षक डा. अनूप यादव के नेतृत्व में विद्यार्थियों का यह समूह करीब 30 गांवों का दौरा करेगा। सीआईएसईडी के रिपाल व सुनील कुमार ने बताया कि शोध यात्रा के माध्यम से इन गांवों में उपलब्ध हर उस प्रतिभा की पहचान की जाएगी जो अपने आप में अलग है, अनोखी है। उन्होंने कहा कि इसमें बात चाहे खेल-कूद की हो, चिकित्सा पद्धति से संबंधित हो, शिक्षा, संगीत, कृषि या पशुपालन से संबंधित किसी तकनीक के विकास से जुड़ी हो, हम ऐसी सभी प्रयासों को न सिर्फ सम्मानित करेंगे बल्कि उन्हें देश-दुनिया के स्तर पर आगे लाने की दिशा में भी प्रयास करेंगे। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ इस शोध यात्रा पर गए शिक्षक डा. अनूप यादव ने कहा कि गुरुवार को अलवर के गंगापुरी कोटकासिम तहसील से शुरू हुआ यह अभियान राबड़का तिजारा तहसील तक जाएगा। उन्होंने बताया कि यह शोध यात्रा हमारे विद्यार्थियों को भी भारत को एक अलग नजरिए से देखने, समझने का अनुभव प्रदान करने में भी मददगार साबित होगी। यहां बता दे कि सीआईएसईडी की इस शोध यात्रा को विश्वविद्यालय, धानुका कृषि प्राइवेट लिमिटेड व नवभारत निर्माण समिति के सांझा प्रयासों से आयोजित किया जा रहा है।

होनहार प्रतिभाओं का मार्गदर्शन करना है लक्ष्य : कुलपति

महेन्द्रगढ़, 29 जून (विपिन): भारत विविधताओं का देश है और यहां छोटे-छोटे गांव, कस्बों में ऐसी अनेक प्रतिभाएं पनप रही हैं जो प्रोत्साहन के अभाव में देश-दुनिया में अपनी पहचान कायम करने में असफल रह जाती हैं। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़का कहना है कि न सिर्फ हरियाणा राज्य बल्कि देशभर में ढेरों ऐसी प्रतिभाएं हैं जो उचित प्रोत्साहन के अभाव में बेहद सीमित दायरे में ही बंधकर रह गई हैं। विश्वविद्यालय लगातार ऐसी प्रतिभाओं को आगे लाने की दिशा में प्रयासरत है। ऐसी ही एक कोशिश की शुरूआत 29 जून को शोध यात्रा के माध्यम से राजस्थान के अलवर में हुई है।

विश्वविद्यालय के सैंटर फार इनोवेशन, स्किल एंड एंटरप्रोन्योर डिवैल्पमैंट (सी.आई.एस.ई.डी.) के संयोजक प्रो. नवल किशोर ने बताया कि यह शोध यात्रा आगामी 5 जुलाई तक चलेगी। इस यात्रा में विश्वविद्यालय के शिक्षक डा. अनूप यादव के नेतृत्व में विद्यार्थियों का यह समूह करीब 30 गांवों का दौरा करेगा। सी.आई.एस.ई.डी. के ऋषिपाल व सुनील कुमार ने बताया कि शोध यात्रा के माध्यम से इन गांवों में उपलब्ध हर उस प्रतिभा की पहचान की जाएगी जो अपने आप में अलग है, अनोखी है। उन्होंने कहा कि इसमें बात चाहे खेलकूद की हो, चिकित्सा पद्धति से संबंधित हो, शिक्षा, संगीत, कृषि या पशुपालन से संबंधित किसी तकनीक के विकास से जुड़ी हो, हम ऐसी सभी प्रयासों को न सिर्फसम्मानित करेंगे बल्कि उन्हें देश-दुनिया के स्तर पर आगे लाने की दिशा में भी प्रयास करेंगे।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ इस शोध यात्रा पर निकले शिक्षक डा. अनूप यादव ने बताया कि गुरुवार को अलवर के गंगापुरी कोटकासिम तहसील से शुरू हुआ यह अभियान राबड़का तिजारा तहसील तक जाएगा। उन्होंने बताया कि यह शोध यात्रा हमारे विद्यार्थियों को भी भारत को एक अलग नजरिए से देखने, समझने का अनुभव प्रदान करने में भी मददगार साबित होगी।

सु -डोकू-5047

पंजाब केसरी ई-पेपर
Fri, 30 June 2017
epaper.punjabkesari.in//c/20176899